FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03121A

First B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (Old/New/2010) Examination, Winter 2013
SANSKRIT – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: *1) **All** questions are **compulsory**.*
*2) The number to the **right** indicates **full** marks.*
*3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.*
*4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B **(30 Marks)**

दश प्रश्नानां उत्तराणि लिखत। **(10×3=30)**

दस प्रश्नों के उत्तर लिखो।

दहा प्रश्नांची उत्तरे लिहा.

a) 'वन्द्' धातु लट् लकारे (वर्तमान काले) लिखत।

b) अधिकरण कारकम्।

c) कर्म कारकम्।

d) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा।

e) नञ् तत्पुरुष समासः।

f) 'कवि' शब्दस्य पूर्ण रूपाणि लिखत।

g) चार्थे द्वन्द्वः।

h) स्तोः श्चुना श्चुः।

i) माहेश्वर सूत्राणि।

j) नदीभिश्च।

k) रूपाणि लिखत

1) देवस्य

2) लिख्–हेत्वर्थक तुमन्तअव्यय।

3) पठ्–त्वान्त रूपम्।

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

l) अशुद्धिं संशोध्य शुद्ध वाक्यानि लिखत।
अशुद्धि संशोधन करके शुद्ध वाक्य लिखो।
अशुद्धि संशोधन करून शुद्ध वाक्ये लिहा.
1) दीनेन प्रति दयां कुरु।
2) मूर्ख: पण्डितं द्रुह्यति।
3) वृक्षं फलानि पतन्ति।

SECTION – C

3. Answer **any three** questions.
प्रश्न **त्रय:** समाधेया:। (3×15=
तीन प्रश्नों के उत्तर लिखो।
तीन प्रश्नांची उत्तरे लिहा.

a) बाह्याभ्यंतरप्रयत्ना:, उच्चारणस्थानानि च सविस्तरं वर्णयत।
बाह्याभ्यंतरप्रयत्न, उच्चारणस्थान् सविस्तर वर्णन करो।
बाह्याभ्यंतरप्रयत्न, उच्चारणस्थाने सविस्तर वर्णन करा.

b) समास प्रकारा: विलिख्य विभक्ति तत्पुरुष समास: ससूत्रं सोदाहरणं च वर्णयत।
समास प्रकार लिखकर विभक्ति तत्पुरुष समास ससूत्र, सोदाहरण वर्णन करो।
समास प्रकार लिहून विभक्ति तत्पुरुष समास ससूत्र सोदाहरण वर्णन करा.

c) 'अच्' सन्धे: पञ्चसूत्राणि सविस्तरं लिखत।
'अच्' सन्धि के पाँच सूत्र सविस्तर लिखे।
अच् सन्धीचे पांच सूत्रे सविस्तर लिहा.

d) **मातृभाषायाम्** अनुवादं कृत्वा अधोरेखाङ्कित पदानां रूपाणि स्पष्टीकुरुत।
मातृभाषा में अनुवाद करके अधोरेखाङ्कित पदों के रूप स्पष्ट करो।
मातृभाषेत अनुवाद करून अधोरेखाङ्कित पदांचे रूप स्पष्ट करा।

संस्कृतभाषा एवं सर्वदोषशून्या अस्ति, अत: देववाणी, गीर्वाणभारती, अमरभाषा इत्यादिभि: शब्दै: व्यवह्रियते। भाषागतंमुदारत्वं मार्दवं मनोज्ञत्व चास्या: वैशिष्ट्यम्। सेयं संस्कृतभाषा जगत: सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा, सर्वोत्कृष्ट-साहित्य-संयुक्ता च वर्तते। अनन्तानन्तवर्षेषु व्यपगतेष्वपि अस्या माधुर्यम्, उदारत्वं च नाद्यापि विकृतम्। पुरा सर्वे जना: संस्कृतभाषयैवाभाषन्त। अत: सर्वमपि प्राक्तन साहित्यं संस्कृतभाषायामेव सन्ति।

---

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03121 B

First B.A.M.S. (Old/New/2010) (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
SANSKRIT – II

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions : 1) ***All*** *questions are* ***compulsory****.*

2) *The number to the* ***right*** *indicates* ***full*** *marks.*

3) ***Draw*** *diagrams wherever* ***necessary****.*

4) *Do not write anything on the* ***blank portion of the question paper****. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. ससंदर्भ अनुवादं कुरुत (फक्त 10) : (10×3=30)

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए :

संदर्भासह अनुवाद करा :

a) पञ्चविंशतिपर्यन्तं ब्रह्मचर्यं समभ्यसेत् ।
बलवान शक्तिसम्पन्न: शतायुश्च भविष्यति ।।

b) सद्य: फलति गान्धर्वं मासमेकं पुराणकम् ।
वेदा: फलन्ति कालेषु ज्योतिर्वैद्यो निरन्तरम् ।।

c) दिवासूर्यांशुसन्तप्तं निशिचन्द्रांसुशीतलम् ।
कालेन पक्वं निर्दोषं अगस्त्येनाऽविषीकृतम् ।।

d) कर्मणा मनसा वाचा सर्वावस्थासु सर्वदा ।
सर्वत्र मैथुनत्यागं ब्रम्हचर्यं प्रचक्षते ।।

e) त्यजेत् क्षुधार्ता महिला स्वपुत्रं
खादे त्क्षुधार्ता भुजगी स्वमण्डम् ।
बुभुक्षित: किं न करोती पापं
क्षीणा नरा निष्करुणा भवन्ति ।।

f) व्यायामं च व्यवायं च धावनं पानमेव च ।
युद्धं गीतं च पाठं च मुहूर्तं भुक्तवाँस्त्यजेत् ।।

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

स्पष्टीकरणं कुरुत :
स्पष्टीकरण कीजिए :
स्पष्टीकरण करा :

g) कायचिकित्सा

h) ग्राम्याहार:

i) चत्वारि दानानि

j) तक्रस्य महत्वम्

k) सदातुर पुरुषा:

l) प्रज्ञापराधम् .

SECTION – C

3. दीर्घोत्तराणि लिखत (केवलं **त्रयम्**) : (3×15=45)
दीर्घ उत्तर लिखिए :
दीर्घ उत्तरे लिहा :

a) प्राणाभिसर रोगाभिसर वैद्या: ।

b) आद्यन्त श्लोकेन सह विकालवानर कथा मातृभाषायां लिखत ।
आद्यन्त श्लोक लिखकर विकाल वानर कथा मातृ भाषामें लिखिए ।
आदि अन्त श्लोक लिहून विकालवानर कथा मातृ भाषेत लिहा.

c) भोजन विधि विज्ञानीयं अध्याय श्लोकाधोरण सविस्तरं वर्णयत ।

d) संभाषाविधी सार्थं सविस्तरं वर्णयेत् ।

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03122 A

[...] B.A.M.S. (Old/New/2010) (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
PADARTH VIGYAN – I

[...] Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) ***All** questions are **compulsory**.*
2) *The number to the **right** indicates **full** marks.*
3) ***Draw** diagrams wherever **necessary**.*
4) *Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. खालील प्रश्नांची उत्तरे थोडक्यात लिहा (फक्त दहा) : (10×3=30)

a) पृथ्वी महाभूताची उत्पत्ती आयुर्वेदानुसार लिहा.
पृथ्वी महाभूत की उत्पत्ती आयुर्वेद के अनुसार लिखो।
Write Utapatti of Prithvi Mahabhuta according to Ayurveda.

b) मनाचे विषय व कर्म लिहा.
मन के विषय व कर्म लिखो।
Write Vishaya and Karma of Mana.

c) न्याय दर्शनाचे महत्त्व लिहा.
न्याय दर्शन का महत्त्व लिखो।
Write an importance of Nyaya Darshana.

d) विशेषाचे लक्षण व भेद लिहा.
विशेष का लक्षण और भेद लिखो।
Write a Lakshan and Bhed of vishesha.

e) 'दिशा' चे प्रकार किती ?
'दिशा' के कितने प्रकार है ?
How many types of Disha ?

f) सामान्याचे आयुर्वेदातील महत्त्व सांगा.
सामान्य का आयुर्वेद में महत्त्व लिखो।
Write an importance of samanya in Ayurveda.

g) कालाचे भेद सांगा.
काल के भेद लिखो।
Write Bhed (types) of kala.

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

h) समवाय व्याख्या व महत्त्व सांगा.
समवाय व्याख्या और महत्त्व लिखो।
Write definition and importance of samvaya.

i) गुर्वादी गुण लिहा.
गुर्वादी गुण लिखो।
Write Gurvadi Guna.

j) प्रशस्तपादोक्त कर्माचे प्रकार लिहा.
प्रशस्तपादोक्त कर्म प्रकार लिखो।
Write types of karma according to Prashstapad.

k) अभाव प्रकार लिहा.
अभाव प्रकार लिखो।
Write types of Abhav.

l) चिकित्साधीकृत पुरुष.
चिकित्साधीकृत पुरुष.
Chikitsadhikrit purusha.

SECTION – C

3. खालील प्रश्नांची उत्तरे सविस्तर लिहा (फक्त **तीन**) : (3×15=

a) दर्शन म्हणजे काय ? दर्शनांचे प्रकार सांगून, सांख्य दर्शनाचे सविस्तर वर्णन करा.
दर्शन किसे कहते हैं ? दर्शन के प्रकार बताकर, सांख्य दर्शन का सविस्तर वर्णन करो।
What is Darshana ? Write types of darshana and write Sankhya Darshan in detail.

b) गुणाची व्याख्या, संख्या सांगून, परादी गुणांचे वर्णन करा.
गुण की व्याख्या, संख्या बताकर परादी गुणों का वर्णन करे।
Write definition of Guna, number of Gunas and explain Paradi Guna in detail.

c) सामान्य विशेष सिद्धांत सांगून, सामान्य व विशेषाचे प्रकार लिहून, सामान्य व विशेषाचे आयुर्वेदातील महत्त्व स्पष्ट क
सामान्य विशेष सिद्धांत बताकर, सामान्य और विशेष के प्रकार लिखकर, सामान्य और विशेष का आयुर्वेद में मह
स्पष्ट करो।
Write samanya vishesh sidhant and types of samanya and vishesh and explai
importance of samanya and vishesha in Ayurveda.

d) इंद्रिय पंचपंचक लिहून, जल महाभूताचे सविस्तर वर्णन करा.
इंद्रिय पंचपंचक लिखकर, जल महाभूत का सविस्तर वर्णन करे।
Write Indriya panchpanchak and explain Jalamahabhuta in detail.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03122 B

B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (Old/New/2010) Examination, Winter 2013
PADARTH VIGYAN – II

Duration : Section A + B + C = 3 Hours | Section B & C Marks : 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions:
1) ***All*** *questions are* ***compulsory****.*
2) *The number to the* ***right*** *indicates* ***full*** *marks.*
3) ***Draw*** *diagrams wherever* ***necessary****.*
4) *Do not write anything on the* ***blank portion of the question paper****. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. प्रश्नांची उत्तरे लिहा (कोणतीही 10) : (10×3=30)

प्रश्नों के उत्तर लिखे (कोई भी 10) :

Answer the questions (any 10) :

a) परमाणु वाद

परमाणु वाद

Paramanu vada

b) समवायी कारण

समवायी कारण

Samavayi Karan

c) उपमान प्रमाणाचे प्रकार

उपमान प्रमाण के भेद

Types of upaman pramana

d) पिलुपाकवाद

पिलुपाकवाद

Pilupakavada

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

8

e) शक्तिग्रहाची साधने

शक्तिग्रह के साधन

Shaktigraha-sadhan

a – परमाणुवाद
b – समवायि कारण
c – उपमान प्रमाणाचे प्रकार
d – पिलुपाकवाद

f) बाधित हेत्वाभास

बाधित हेत्वाभास

Badhita hetvabhasa

g) क्षणभंगवाद

क्षणभंगवाद

Kshana Bhangavada

h) अर्थापत्ती प्रमाण

अर्थापत्ती प्रमाण

Arthapatti pramana

i) प्रत्यक्षअनुपलब्धि कारण

प्रत्यक्ष–अनुपलब्धि कारण

Pratyaksha-anupalabdhi-karana

j) युक्तिप्रमाणाची तीन उदाहरणे

युक्तिप्रमाण के तीन उदाहरण

Three examples of yukti pramana

k) कोणत्याही तीन तंत्रयुक्ति (उदाहरणासहित) वर्णन करा.

कोई भी तीन तंत्रयुक्तियों का उदाहरण सहित वर्णन करें।

Describe any three tantrayuktis with examples.

l) विवर्तवाद

विवर्तवाद

Vivarta-vada.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

SECTION – C

कोणत्याही 3 प्रश्नांची सविस्तर उत्तरे लिहा. (3×15=45)

किसी भी 3 प्रश्नों का सविस्तर उत्तर लिखें।

Answer in detail (**any three**).

a) सांख्यदर्शनानुसार सृष्टिउत्पत्तिक्रम सविस्तर लिहा.

सांख्यदर्शन के अनुसार सविस्तर सृष्टिउत्पत्तिक्रम लिखें।

Describe srishti-utpattikrama according to sankhya-darshana.

b) अनुमान प्रमाणाची व्याख्या, प्रकार व महत्व वर्णन करा. स्वार्थानुमान व परार्थानुमानाचे सविस्तर वर्णन करा.

अनुमान प्रमाण की व्याख्या, प्रकार व महत्व वर्णन करें। स्वार्थानुमान व परार्थानुमान का सविस्तर वर्णन करें।

Write definition, types and importance of anumana-pramana. Describe svarthanuman and pararthanuman in detail.

c) प्रत्यक्षप्रमाण व्याख्या, प्रत्यक्ष ज्ञानाचे प्रकार, सन्निकर्षाचे प्रकार, इंद्रियपंचपंचक, ज्ञानग्रहण प्रक्रिया वर्णन करा.

प्रत्यक्षप्रमाण की व्याख्या, प्रत्यक्ष ज्ञान के प्रकार, सन्निकर्षा प्रकार, इंद्रिय पंचपंचक और ज्ञानग्रहण प्रक्रिया वर्णन करें।

Describe definition of pratyaksha pramana, types of pratyaksha dnyana, types of sannikarsha, indriya-pancha-panchaka and dnyangrahana-prakriya.

d) शब्दप्रमाण सविस्तर वर्णन करा.

शब्दप्रमाण का सविस्तर वर्णन करें। / आप्तोपदेश प्रमाण.

Describe shabda-pramana in detail.

---

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice

03123

B.A.M.S. (Old/New/2010) (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
AYURVED KA ITIHAS

Duration : Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks : 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions : 1) *All questions are compulsory.*

2) *The number to the right indicates full marks.*

3) *Draw diagrams wherever necessary.*

4) *Do not write anything on the blank portion of the question paper. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. खालील पाच ओळीत उत्तरे लिहा (कोणतेही दहा) :

नीचे दिये पाँच पंक्तियों में उत्तर लिखे । (किन्ही दस) : (30 Marks)

Write the answer in four to five lines (Any ten) : (10×3=30)

a) अथर्ववेदातील आयुर्वेद

अथर्ववेद में आयुर्वेद

Ayurved in Atharvaveda.

b) धन्वन्तरि परिचय

धन्वन्तरि परिचय

Dhanwantari Introduction.

c) मनुस्मृति

मनुस्मृति

Manusmruti.

d) रामायणातील वैद्यकशास्त्र

रामायण का वैद्यकशास्त्र

Medical Science in Ramayan.

P.T.O.

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

e) गॅलन

गॅलन

Galan.

f) भावप्रकाश

भावप्रकाश

Bhavprakash.

g) अश्वायुर्वेद

अश्वायुर्वेद

Ashwayurved.

h) सुमेर संस्कृती

सुमेर संस्कृती

Sumer Civilisation.

i) वराहमिहिर

वराहमिहिर

Varahmihir.

j) गणनाथ सेन

गणनाथ सेन

Gananath Sen.

k) चोपडा कमिटी

चोपडा समिती

Chopra Committee.

l) अष्टांगहृदय वैशिष्ट्ये.

अष्टांगहृदय की विशेषताएँ ।

Specialities of Ashtang Hruday.

a) અથર્વવેદાતિલ આયુ.

b) ધન્વન્તરિ પરિચય

c) મનુસ્મૃતી

d) રામાયણાતિલ વૈદ્યક

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

SECTION – C

खालीलपैकी कोणतेही **तीन** प्रश्न सोडवा :

निम्नलिखित किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

Answer **any three** of the following :

(45 Marks)

(3×15=45)

a) 'बौद्ध काल हा आयुर्वेदाचा उत्कर्ष काल होता' हे स्पष्ट करून अशोकाचे शिलालेख तसेच आरोग्यशाला विषयी लिहा.

'बौद्ध काल यह आयुर्वेद का उत्कर्ष काल था' यह स्पष्ट करे । और अशोक के शिलालेख तथा आरोग्यशाला के बारे में लिखें ।

Explain that 'Boudha Kala' was the advanced period of Ayurveda and also write about Ashoka's Shilalekha and Arogyashala.

b) सुश्रुतसंहितेनुसार 'आयुर्वेदावतरण' लिहून सुश्रुत संहितेची वैशिष्ट्ये तसेच टीका सविस्तर लिहा.

सुश्रुत संहिता के अनुसार 'आयुर्वेदावतरण' लिखकर सुश्रुत संहिता की विशेषताएँ तथा टीका सविस्तर लिखे ।

Write the 'Ayurvedavataran' according to Sushrut Samhita and describe the special features and commentaries in detail.

c) आयुर्वेदाच्या विकासासाठी नियुक्त विविध समित्या व त्यांच्या शिफारशी विषयी सविस्तर लिहा.

आयुर्वेद के विकास के बारे में नियुक्त विविध समिती एवं उनके सूचनाओं के बारे में सविस्तर लिखे ।

Write in detail about various committees appointed for the development of Ayurveda and their suggestions.

d) मिस्र-मिश्र संस्कृतीतील वैद्यकशास्त्राचे सविस्तर वर्णन करा.

मिस्र-मिश्र संस्कृती के वैद्यकशास्त्र का सविस्तर वर्णन करो ।

Write in detail the medical science of Misar-Mishra Civilisation.

---

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03125 A

B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (Old/New/2010) Examination, Winter 2013
RACHANA SHARIR – I

Duration: Section A + B + C = 3 Hours Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) ***All*** *questions are* ***compulsory***.
2) *The number to the* ***right*** *indicates* ***full*** *marks.*
3) ***Draw*** *diagrams wherever* ***necessary***.
4) *Do not write anything on the* ***blank portion of the question paper***. *If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. Answer the following (**any 10** out of **12**) (10× 3=30)

a) कर्मपुरुष
कर्मपुरुष
Karmapurush

b) शुद्ध आर्तव लक्षण
शुद्ध आर्तव लक्षण
Shudha Artava Lakshan

c) प्रथम पर्शुका
प्रथम पर्शुका
First Rib

d) उर्वस्थि उर्ध्वप्रांत
उर्वस्थि उर्ध्वप्रांत
Upper end of femur

e) कक्षगोदुरवल
कक्षगोदुरवल
Acetabulum

f) जान्वस्थि
जान्वस्थि
Patella

P.T.O.

13

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

g) कूर्पराग्रखात
कूर्पराग्रखात
Cubital Fossa

h) द्विशिरस्का बाहवी
द्विशिरस्का बाहवी
Biceps brachii

i) गर्भनाभिनाडी
गर्भनाभिनाडी
Umbilical Cord

j) पेशी प्रकार
पेशी प्रकार
Types of 'Peshi'

k) अंजली प्रमाण
अंजली प्रमाण
Anjali Praman

l) मृतशोधन
मृतशोधन
Mritshodhan

SECTION – C

3. Answer the following (**any 3** out of 4) **(3×15=**

a) अस्थिप्रकार उदाहरणासह लिहन असफलकास्थि सविस्तर, साकृती वर्णन करा.
सोदाहरण अस्थि प्रकार लिखके अंसफलकास्थि सविस्तर, साकृती वर्णन कीजिए।

Write the type of bone with examples and describe the 'Scapula' in detail with diagram.

b) गर्भ व्याख्य लिहून मासानुमासिक गर्भवृद्धी लिहा.
गर्भ व्याख्य लिखकर मासानुमासिक गर्भवृद्धी लिखिए.

Write defination of 'Garbha' and write the monthwise development of fetus.

c) आयुर्वेदोक्त संधी प्रकार लिहून जानुसंधी सविस्तर वर्णन करा.
आयुर्वेदोक्त संधी प्रकार लिखकर जानुसंधी विस्तारपूर्वक लिखिए॥

Write the types of joint as per Ayurveda and describe the Knee joint in detail.

d) स्त्रोतस म्हणजे काय हे लिहून रक्तवह स्त्रोतस सविस्तर लिहा.
स्त्रोतस का विश्लेषण करके रक्तवहा स्त्रोतस विस्तार से लिखिए।

Define the strotas and describe the 'Raktavaha Strotas' in detail.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03126A

B.A.M.S. (Old/New/2010) (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
KRIYA SHARIR – I

Duration: Section A + B + C = 3 Hours Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: *1) **All** questions are **compulsory**.*
*2) The number to the **right** indicates **full** marks.*
*3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.*
*4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

Answer **any ten** out of twelve questions given below . **Each** question is of **three** marks. **(10×3=30)**

a) पंचमहाभूतांचा गुणान्तर उत्पत्तीक्रम लिहा.
पंचमहाभूतों का गुणान्तर उत्पत्तीक्रम लिखिए।
Describe sequence of gunantar utpatti of Panchamahabhuta.

b) त्रिधातुक पुरुष म्हणजे काय ?
त्रिधातुक पुरुष किसे कहते है ?
Describe Tridhatuk Purusha.

c) 'दोषगती' चे प्रकार लिहा.
'दोषगती' के प्रकार लिखिए।
Describe type of Doshagati.

d) होमिओस्टॅसिस म्हणजे काय ?
होमिओस्टॅसिस किसे कहते है ?
What is meant by homeostasis ?

e) श्वसन व महाप्राचीरापेशी (Diaphragm) यांचा संबंध लिहा ?
श्वसन और महाप्राचीरापेशी (Diaphragm) इनका क्या संबंध है यह लिखे।
Write relation between Respiration and Diaphragm.

f) अविदग्धावस्था वर्णन करा.
अविदग्धावस्था का वर्णन कीजिए।
Describe avidagdhavastha.

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03126A

g) पचनक्रियेत हायड्रोक्लोरिक ॲसिड (HCl) महत्त्व वर्णन करा.
पचनक्रिया में हायड्रोक्लोरिक ॲसिड (HCl) महत्त्व वर्णन करे।
What is the important of hydrochloric acid (HCl) in digestion ?

h) वातदोष प्रकोपाची लक्षणे लिहा.
वातदोष प्रकोप लक्षण लिखिए।
Write vata dosha Lakshan.

i) साधकपित्तस्थान व कार्ये लिहा.
साधकपित्तस्थान एवं कार्य लिखे।
Write site and functions of Sadhak Pitta.

j) प्लीहे चे कार्ये लिहा.
प्लीहे के कार्य लिखिए।
Write the functions of spleen.

k) जीवनीयद्रव्ये 'अ' कार्ये व अभाव लक्षणे लिहा.
जीवनीयद्रव्ये 'अ' का कार्य एवं अभाव लक्षण लिखिए।
Write the functions and deficiency signs of Vitamins 'A'.

l) तर्पक कफ स्थान व कार्ये लिहा.
तर्पक कफ स्थान एवं कार्य लिखिए।
Write location and functions of Tarpak Kapha.

SECTION – C

3. Answer the following (**any three** out of four) : (3×15=

a) वातदोषाचे सामान्यस्थाने, सामान्यगुण, सामान्य कार्ये तसेच स्थानभेदानुसार प्रकाराचे वर्णन करा.
वातदोष का सामान्य स्थान, गुण, कार्य तथा स्थानभेदानुसार प्रकारों का वर्णन कीजिए।
Describe general locations, properties, functions and types of it as per locations in details.

b) हृदयकार्ये चक्र [Cardiac cycle] आकृतीसह सविस्तर वर्णन करा.
हृदयकार्य चक्र [Cardiac cycle] आकृती के साथ सविस्तर वर्णन किजिए।
Describe Cardiac cycle in details with figure.

c) 'अग्नि' व्याख्या पर्याय लिहून जाठराग्नि, भूताग्नि व धात्वग्नियाचे स्थान व कार्ये वर्णन करा.
'अग्नि' व्याख्या पर्याय लिखकर, जाठराग्नि, भूताग्नि एवं धात्वग्नि इनका स्थान और कार्य वर्णन किजिए।
Define "Agni", write synonyms of Agni. Describe place of functions of Jatharagni, Bhootagni and Dhatwagni.

d) पचन, व्याख्या लिहून निरनिराळया पाचक रसाची नांवे, प्रमाण, गुणधर्म, घटक सांगून त्यांची पचना संबंधी कार्ये सविस्तर वर्णन करा.
पचन, व्याख्या लिखकर, पाचक रस की नामें, प्रमाण, गुणधर्म, घटक लिखकर, पचन संबंधी सब कार्य वर्णन किजिए।
Write definition of digestion and name of different digestive juices, its quantity, characters, composition and describe digestive functions in details.

---

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03126 B

First B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (Old/New/2010) Examination, Winter 2013
KRIYA SHARIR – II

Total Duration : Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks : 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions : 1) ***All** questions are **compulsory**.*
2) *The number to the **right** indicates **full** marks.*
3) ***Draw** diagrams wherever **necessary**.*
4) *Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. Attempt **any ten** out of twelve : **(10×3=30)**

बारा पैकी कोणतेही दहा प्रश्न सोडवा.

बारह प्रश्नों में से कोई भी दस प्रश्नों के उत्तर लिखें।

a) शुद्धार्तव लक्षणे लिहा.
शुद्धार्तव लक्षणों को लिखें।
Write 'Shuddhaartava' lakshanani.

b) षट्चक्रांची स्थाने लिहा.
षट्चक्रों के स्थान लिखें।
Write the sites of 'Shatachakra'.

c) रक्तधातूचे महत्व लिहा.
रक्तधातू का महत्व लिखें।
Write the importance of Raktadhatu.

d) ब्रह्मवारि (C.S.F.) चे कार्य लिहा.
ब्रह्मवारि (C.S.F.) का कार्य लिखें।
Write the functions of Bramhavaari (C.S.F.).

e) मांसधातूसाराची लक्षणे लिहा.
मांसधातूसार के लक्षणों को लिखें।
Write the lakshana of 'Mansadhatusara'.

f) निद्रा व्याख्या लिहा.
निद्रा व्याख्या लिखें।
Write the definition of Nidra.

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

g) त्वचा प्रकार लिहा.
त्वक् प्रकार लिखें।
Write types of twacha.

h) व्याधिक्षमत्व-प्रकार लिहा.
व्याधिक्षमत्व के प्रकार लिखें।
Types of Vyadhikshamtva (Immunity)

i) मनाचे विषय लिहा.
मन के विषय लिखें।
Write Mana Vishaya.

j) धातूपोषण काल-लिहा.
धातूपोषण काल - लिखें।
Write Dhatuposhankala.

k) धातू उपधातू भेद लिहा.
धातू उपधातू भेद लिखें।
Write the difference between Dhatu and Upadhatu.

l) ओजाचे महत्व लिहा.
ओज का महत्व लिखें।
Write the importance of Oja.

SECTION – C

3. Attempt **any three** out of four : (3×15=

चारपैकी कोणतेही **तीन** प्रश्न सोडवा.
चार प्रश्नों में से कोई **तीन** प्रश्नों का उत्तर लिखें।

a) अधिवृक्क ग्रंथीचे अंतस्त्राव लिहून त्यांचे कार्य, क्षय-वृद्धि लक्षणे लिहा.
अधिवृक्क ग्रंथी के अंत:स्त्राव लिखकर उनके कार्य एवं क्षय-वृद्धि लक्षण लिखें।
Describe the hormones of suprarenal gland and write their function with hypo-hyper symptoms.

b) नेत्राची रचना लिहून दृष्टीज्ञान कसे होते ते लिहा. दृष्टीदोष थोडक्यात लिहा.
नेत्र की रचना लिखकर दृष्टीज्ञान कैसे होता है यह लिखें। दृष्टिदोष संक्षेप में लिखें।
Write the structure of an eye. Write the physiology of sight. Explain in short the abnormalities of vision.

c) 'शुक्रधातू' चे सविस्तार वर्णन करा.
'शुक्रधातू का' विस्तार से वर्णन करें।
Describe Shukradhatu in detail.

d) शीर्षण्य नाड्यांच्या कार्याचे वर्णन करा.
शीर्षण्य नाडीओं के कार्य का वर्णन करें।
Describe the functions of Shirshanya Nadies (Cranial Nerves).

---

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice

03131

First B.A.M.S. 2012 (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
SANSKRIT

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: *1)* ***All*** *questions are* ***compulsory****.*

2) The number to the ***right*** *indicates* ***full*** *marks.*

3) ***Draw*** *diagrams wherever* ***necessary****.*

4) Do not write anything on the ***blank portion of the question paper****. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. केषामपि दश प्रश्नानां उत्तराणि लिखत । **(10×3=30)**

कोई भी दस प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

कोणत्याही दहा प्रश्नांची उत्तरे लिहा.

a) सोदाहरणं वर्णयत ।

उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

उदाहरणासह वर्णन करा.

'आदित्येन सहेता'

b) सोदाहरणं स्पष्टयत ।

सोदाहरण स्पष्ट करो ।

सोदाहरण स्पष्ट करा.

'हलन्त्यम्'

P.T.O.

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

c) 'सम्प्रदान कारकं' सोदाहरणं स्पष्टयत।

'सम्प्रदान कारकं' सोदाहरण स्पष्ट करो।

'सम्प्रदान कारकं' सोदाहरण स्पष्ट करा.

d) 'करण कारकं' सोदाहरणं स्पष्टयत।

'करण कारकं' सोदाहरण स्पष्ट करो।

'करण कारकं' सोदाहरण स्पष्ट करा.

e) 'विसर्जनीयस्य सः' सोदाहरणं स्पष्टयत।

'विसर्जनीयस्य सः' सोदाहरण स्पष्ट करो।

'विसर्जनीयस्य सः' सोदाहरण स्पष्ट करा.

f) रूपाणि लिखत।

रूपे लिखिए।

रूपे लिहा

'राम' शब्दस्य पूर्णरूपाणि।

'पठ्' धातोः लट् लकारस्य पूर्ण रूपाणि।

g) 'हंसोदकम्' वर्णयत।

'हंसोदकम्' वर्णन करो।

'हंसोदकम्' वर्णन करा।

h) 'शौचं पञ्चविधं स्मृतम्'। स्पष्टयत।

'शौचं पञ्चविधं स्मृतम्' स्पष्ट करो।

'शौचं पञ्चविधं स्मृतम्' स्पष्ट करा.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice

3) 'स्व त्वच:' वर्णयत।
'स्व त्वच:' वर्णन करो।
'स्व त्वच:' वर्णन करा.

3) 'तृष्णा, आलस्य' लक्षणानि लिखत
'तृष्णा, आलस्य' लक्षण लिखिए।
'तृष्णा, आलस्य' लक्षणे लिहा.

4) 'वातप्रकृति:' लक्षणानि लिखत।
'वातप्रकृति:' लक्षण लिखिए।
'वातप्रकृति:' लक्षणे लिहा.

5) अशुद्धि संशोध्यं शुद्ध वाक्यानि लिखत।
अशुद्धि संशोधन करके शुद्ध वाक्य लिखो।
अशुद्धि संशोधन करून शुद्ध वाक्य लिहा.

i) गोपाल: जलाय मुखं प्रक्षालयति।
ii) असज्जनं कस्य भयं न जायते ?
iii) ग्रामात् परित: वृक्षा: सन्ति।

SECTION – C

(15×3=45)

3. त्रीणि प्रश्नानि उत्तरयत।
तीन प्रश्नों के उत्तर लिखो।
तीन प्रश्नांची उत्तरे लिहा.

a) सोदाहरणं स्पष्टयत।
सोदाहरण स्पष्ट करो।
सोदाहरण स्पष्ट करा.

इको यणचि, एचोऽयवायाव:,
आद्गुण:, वृद्धिरेचि,
अक: सवर्णे दीर्घ:

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

b) सविस्तरं सोदाहरणं लिखत।

सविस्तर उदाहरण के साथ लिखिए।

सविस्तर उदाहरणासह लिहा.

'अव्ययीभावसमास'

c) अध्यायस्य सारं वर्णयत।

अध्याय का सार वर्णन करो।

अध्यायाचा सारांश वर्णन करा.

' स्नानविधिविज्ञानीयम्'

d) आद्यन्तं श्लोकं विलिख्य 'क्षपणककथा' मातृभाषायां लिखत।

आद्यन्तंश्लोक लिखकर 'क्षपणककथा' मातृभाषा में लिखिए।

आद्यन्त श्लोक लिहून 'क्षपणककथा' मातृभाषेमध्ये लिहा.

OR

अनुवादं करुत।

अनुवाद करो।

अनुवाद करा.

इदमाम्रोद्यानम्।

अत्राम्रस्य वृक्षा: येषु विकसिता मञ्जर्य: शोभन्ते।

आभ्यो मञ्जरीभ्य: पुलानि उद्भवन्ति।

पक्वानि चाम्रफलानि मधुराणि भवन्ति।

मधूकस्य वृक्षोऽपि विद्यतेऽत्र।

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03132 A

First B.A.M.S. 2012 (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
PADARTHA VIGYAN AND AYURVED ITIHAS – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) ***All** questions are **compulsory**.*
2) *The number to the **right** indicates **full** marks.*
3) ***Draw** diagrams **wherever** necessary.*
4) *Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. खालील प्रश्नाची उत्तरे लिहा (फक्त दहा): **(10×3=30)**
निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें (केवल दस):
Answer the following (**any ten** out of twelve) :

a) चिकित्स्य पुरुष
चिकित्स्य पुरुष
Chikitsya Purush

b) चेतन, अचेतन द्रव्य
चेतन, अचेतन द्रव्य
Chetan, Achetan Dravya

c) संस्कार निरूपण करा.
संस्कार निरूपण करें।
Describe Sanskar.

d) तैत्तरीय उपनिषदानुसार वायु महाभूताची उत्पत्ती सांगा.
तैत्तरीय उपनिषद के अनुसार वायु महाभूत की उत्पत्ती लिखें।
Write Uttpatti of Vayu Mahabhuta according to Taittiriyopanishad.

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

e) मनाचे कार्य लिहा.
मन के कार्य लिखें।
Write functions of Manas.

f) अभावाचे प्रकार लिहा.
अभाव के प्रकार लिखें।
Write classification of Abhav.

g) सार्थ गुण लिहा.
सार्थ गुण लिखें।
Write Sartha guna.

h) समवाय विज्ञान लिहा.
समवाय विज्ञान लिखें।
Write samavaya vidnyan.

i) चरकानुसार आत्माचे लक्षण लिहा.
चरक के अनुसार आत्मा के लक्षण लिखें।
Write Aatma Lakshan, according to Charaka.

j) न्यायोक्त कर्म भेद.
न्यायोक्त कर्म भेद.
Types of Karma, according to Nyaya.

k) द्रव्य व गुणानुसार विशेषाचे महत्व सांगा.
द्रव्य व गुण के अनुसार विशेष का महत्व लिखें।
Write importance of Vishesha, accordingly Dravya and Gunas.

l) 'दिशा' चे आयुर्वेदीय महत्व लिहा.
'दिशा' का आयुर्वेदीय महत्व लिखें।
Write importance of Disha in Ayurveda.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

SECTION – C

3. खालील प्रश्नाची उत्तरे लिहा (फक्त **तीन**) : (3×15=45)

निम्न प्रश्न के उत्तर लिखें (केवल **तीन**) :

Answer the following (**any three**) :

a) दर्शन म्हणजे काय ? दर्शनांचे वर्गिकरण लिहून सांख्य दर्शन सविस्तर लिहा.

दर्शन की व्याख्या लिखकर, दर्शनों का वर्गिकरण करके सांख्य दर्शन सविस्तर लिखें।

What is Darshana ? Classification of Darshana and write in detail of Sankhya Darshana.

b) गुण म्हणजे काय ? चरकोक्त गुर्वादि गुणांचे सविस्तर वर्णन करा.

गुण की व्याख्या लिखकर, चरकोक्त गुर्वादि गुणों का सविस्तर वर्णन करें।

What is Guna ? Write in detail of Charakokta Gurvadi guna.

c) द्रव्याची व्याख्या व प्रकार लिहून तेज महाभूत सविस्तर लिहा.

द्रव्य की व्याख्या व प्रकार लिखकर, तेज महाभूत सविस्तर वर्णन करें।

Write definition and types of Dravya, describe Tej Mahabhut in detail.

d) साम्य वैषम्य सिद्धान्त कोणत्या दर्शनात वर्णन केलेला अहे ? साम्य वैषम्य सिद्धान्त आयुर्वेदानुसार स्पष्ट करा।

साम्य, वैषम्य सिद्धान्त किस दर्शन का है? साम्य वैषम्य सिद्धान्त आयुर्वेद के अनुसार सोदाहरण लिखें।

Which Darshana has explain Samya Vaishamya Siddhant. Describe Samya Vaishamya Siddhant, as per Ayurveda.

---

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03132 B

First B.A.M.S. 2012 (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
PADARTHA VIGYAN AND AYURVED ITIHAS – II

Duration : Section A + B + C = 3 Hours Section B & C Marks : 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions : 1) ***All** questions are **compulsory**.*

2) *The number to the **right** indicates **full** marks.*

3) ***Draw** diagrams wherever **necessary**.*

4) *Do not write anything on the **blank portion of the question paper.** If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

Attempt any 10 SAQ out of the following : (10×3=30)

खालील प्रश्नांपैकी 10 प्रश्नांची योडक्यात उत्तरे द्या।

a) कारणाचे प्रकार वर्णन करा.

कारण के भेद वर्णन कीजिए।

Types of Karan.

b) युक्ति प्रमाणाचे लक्षण व उदाहरण लिहा.

युक्ति प्रमाणका लक्षण और उदाहरण लिखे।

Write in short definition of Yukti Praman with example.

c) चरकोक्त शब्दाचे प्रकार वर्णन करा.

चरकोक्त शब्द के भेद वर्णन कीजिए।

Explain types of Shabda according to Charak.

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

d) चरकोक्त अनुमान प्रकार वर्णन करा.
चरकोक्त अनुमान प्रकार वर्णन कीजिए।
Describe types of Anuman according to Charak.

e) शक्तीग्रहाची साधने वर्णन करा.
शक्तीग्रह की साधने वर्णन कीजिए।
Describe Shaktigrah Sadhane.

f) आप्त लक्षणे (स्वरूप) लिहा.
आप्त लक्षणे (स्वरूप) लिखे।
Write Aapta Lakshan (Swarup).

g) वाक्यार्थ ज्ञानाचे हेतु लिहा.
वाक्यार्थ ज्ञान के हेतु लिखिए।
Wakyartha dnyam Hetu – Explain.

h) ऐतिह्य आणि अर्थापत्ती प्रमाण
ऐतिह्य और अर्थापत्ती प्रमाण
Aaitihya and Arthapatti Praman.

i) सदहेतुचे गुणधर्म लिहा.
सदहेतु के गुणधर्म (लक्षणे) लिखिए।
Features of Sada – Hetu.

j) महर्षि काश्यपांचा परीचय द्या, वा कार्य लिहा.
महर्षि काश्यपजी का परीचय देकर कार्य लिखे।
Write introduction to Kashyap Maharshi and his contribution.

k) चक्रपाणिदत्तांचा परिचय द्या.
चक्रपाणिदत्त महोदय का परिचय लिखे।
Introduce "Chakrapanidatta".

l) जागतिक आरोग्य संघटना (WHO)
जागतिक आरोग्य संघटना (विश्व स्वास्थ्य संघटना)
World Health Organisation.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

SECTION – C

3. Attempt **any three** LAQ out of four : **(3×15=45)**

खालील **चार** बहुत्तरी प्रश्नापैकी **कोणतेही तीन** प्रश्न सोडवा।

a) प्रत्यक्ष प्रमाणाचा व्याख्या लिहा. लौकिक संनिकर्ष व त्याचे प्रकार सोदाहरण वर्णन करून. प्रत्यक्ष प्रमाणाचे आयुर्वेदात महत्त्व स्पष्ट करा.

प्रत्यक्ष प्रमाण के लक्षण लिखे। लौकिक संनिकर्ष और उसके भेद सोदाहरण लिखकर प्रत्यक्ष प्रमाण का आयुर्वेद में महत्त्व स्पष्ट करे।

Write definitions of Pratyaksha Praman. Exemplify Laukik Sannikarsha and its types in detail and also explain importance of Pratyaksha Praman in Ayurved.

b) पाकजोत्पत्ती म्हणजे काय ? ते सांगुन वैशेषिकांचा परमाणुवाद वर्णन करा. पिलु पाकवाद आणि पिठर पाकवादाचे सविस्तर वर्णन करा.

पाकजोत्पत्ती वर्णन कीजिए। वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद और पिलु पाकवाद, पिठर पाकवाद का वर्णन कीजिए।

Explain Pakayotpatti. Also write Parmanu Vada and Pilu Pakwada. Pithar Pakwada in detail.

c) आयुर्वेदाचे सार्वभौमत्त्व वर्णन करा. मिश्र संस्कृती चे वर्णन करून पॅपिरस मधील चिकित्सा विषयक सामग्री वर्णन करा. श्रीलंका मधील आयुर्वेद वर्णन करा.

आयुर्वेद का सार्वभौमत्त्व बताकर, मिश्र संस्कृती का वर्णन कीजिए और पॅपिरस में वर्णित चिकित्सा विषयक सामग्री का वर्णन कीजिए। और श्रीलंका में आयुर्वेद प्रगति वर्णन कीजिए।

Write down Sarvabhaumatwa of Ayurveda (Globalization). Also explain Ebirus Pepirus in Misra Sanskruti. Also explain Ayurved in Sri Lanka.

d) कारणाचे प्रकार वर्णन – कारण व कार्या च्या व्याख्या लिहा. सत्कार्यवादाचा सिद्धांत वर्णन करा. कार्यकारण भावा चा आयुर्वेदात महत्त्व लिहा.

कारण और कार्य के लक्षण लिखकर कारण के भेद वर्णन कीजिए। सत्कार्यवाद सिद्धांत वर्णन कीजिए। कार्यकारण भावा का आयुर्वेद में महत्त्व लिखिए।

Write Lakshan of Karan – Kary. Types of Karan and Sat karyavada Siddhant also write significance of Karyakaranvada in Ayurved.

---

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice

(29)

03133

First B.A.M.S. 2012 (Ayurvedacharya) (Repeater) Examination, Winter 2013
MAULIK SIDDHANT AVUM ASTANG HRIDYA

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours   Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: *1)* ***All*** *questions are* ***compulsory****.*

2) The number to the ***right*** *indicates* ***full*** *marks.*

3) Draw diagrams ***wherever*** *necessary.*

4) ***Do not*** *write anything on the* ***blank portion of the question paper****. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा (कोणतेही दहा). **(10×3=30)**

a) दंत धावन द्रव्ये
दंत धावन द्रव्ये
Danta dhavan dravya.

b) फरक स्पष्ट करा – आदानकाल-विसर्ग काल
फरक स्पष्ट करो – आदानकाल-विसर्गकाल
Difference between Aadankala-Visargakala.

c) क्षाराचे गुण
क्षार के गुण
Guna's of Kshara.

d) दुग्ध वर्ग
दुग्ध वर्ग
Dugdha varga.

P.T.O.

29

FirstRanker.com
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

30

e) वर्षा ऋतूचे लक्षणे

वर्षा ऋतु के लक्षणे

Lakshana's of Varsharutu.

a) दंतधावन द्रव्ये

b) आदान विसर्ग फरक

c) क्षार गुण

d) दुष्ट व्रण.

f) विसूचिका

विसूचिका

Visuchika.

g) तंत्रदोष

तंत्रदोष

Tantradosha.

h) स्वेदाचे प्रकार

स्वेद के प्रकार

Types of Sweda.

i) नस्य मात्रा

नस्य मात्रा

Matra's of Nasya.

j) आश्चोतन

आश्चोतन

Aschottan.

k) अनुवासन योग्य पुरुष लक्षणे.

अनुवासन योग्य पुरुष लक्षणे।

Lakshana's of Anuvasan yogya purusha.

l) लवण रसाचे कर्म

लवण रसके कर्म

Karma's of Lavan Rasa.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice

SECTION – C

(3×15=45)

खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा (कोणतेही **तीन**).

निम्नलिखित प्रश्नके उत्तर लिखिए (सिर्फ **तीन**).

Answer the following (**any three** out of four).

a) चतुष्पादांचे गुण सांगून श्रेष्ठ चुतुष्पादाचे महत्व सांगा.

चतुष्पाद के गुण लिखकर श्रेष्ठ चतुष्पाद के महत्व लिखिए।

Write Guna's of Chatuspada and write importance of Shreshta Chatuspad.

b) दोष धातु मला मूलं सदा देहस्य – हे सूत्र स्पष्ट करा.

दोष धातु मला मूलं सदा देहस्य – यह सूत्र सप्ष्ट कीजिए।

Dosha dhatu-Mala-Mulam Sada Dehashya-Write this sutra in detail.

c) अष्टांग हृदयामध्ये सांगीतलेल्या अधारणीय वेगांचे वर्णन करा.

अष्टांग हृदय में बाताये हुए अधारणीय वेगों के वर्णन कीजिए।

Write in detail of Adharniya Vaga's according Astangahridaya's.

d) वमन म्हणजे काय ? सांगून वमनासाठी योग्य व अयोग्य सांगून वमन विधि सविस्तर लिहा.

वमन किसे कहते है ? यह लिखकर वमन के लिए योग्य-अयोग्य लिखकर वमनविधि सविस्तर लिखो।

What is Vamana ? Who is yogya for Vamana and ayogya for Vamana ? Write it and write in details of Vamanvidhi.

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

03134 A

First B.A.M.S. 2012 (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
RACHANA SHARIR – I

Total Duration : Section A + B + C = 3 Hours | Section B & C Marks : 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions : 1) ***All*** *questions are* ***compulsory.***
2) *The number to the* ***right*** *indicates* ***full*** *marks.*
3) ***Draw*** *diagrams wherever* ***necessary.***
4) *Do not write anything on the* ***blank portion of the question paper****. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. कोणत्याही दहा प्रश्न सोडवा. **(10×3=30)**
किन्हीं दस प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
Write **any ten** out of twelve.

A) कोष्ठ
Kosth

B) स्थपनी मर्म
Sthapani Marma

C) प्रगण्डास्थि अधो प्रान्त
Lower end of humerus

D) क्षोणि गवाक्ष
Obturator Foramen

E) रक्तवह स्त्रोतस
Raktvaha strotas

F) मूलाधार चक्र
Mooladhar Chakra

P.T.O.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

Any (10) 33

03134 A

G) कूर्पर संधि स्नायु
Ligament of Elbow joint

H) सामान्य वक्षीय कशेरुका
Typical thorasic vertebra

I) मन
Man

J) शव संरक्षण पद्धति
Cadaver preservation

K) गुद मर्म
Gud marma

L) कक्षानुगा धमनी शाखा.
Branches of axillary artery.

SECTION – C

3. कोणत्याही तीन प्रश्न सोडवा (चार पैकी) :
किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए (चार में से) :
Attempt any three out of four : (3×15=45)

a) 'उर्वस्थि' सचित्र सविस्तार लिहा.
उर्वस्थि सचित्र सविस्तार से लिखिए।
Write the femur in detailed with diagram.

b) हृदयाचे वर्णन करून दक्षिण अलिन्दचे सविस्तार वर्णन करा.
हृदय का वर्णन करते हुए दक्षिण अलिन्द का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
Describe the right atrium in detailed with description of heart.

c) मासानुमासिक गर्भ वृद्धि सचित्र सविस्तार लिहा.
मासानुमासिक गर्भ वृद्धि सचित्र सविस्तार से लिखिए।
Write the masanumasik garbh vradhi in detail with diagram.

d) अंससंधि सविस्तार लिहा.
अंससंधि सविस्तार लिखिए।
Write shoulder joint in details.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

34

03134 B

First B.A.M.S. 2012 (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
RACHANA SHARIR – II

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours | Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: *1) **All** questions are **compulsory**.*
*2) The number to the **right** indicates **full** marks.*
*3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.*
*4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. SAQ :

Answer the following (**any ten** out of twelve) : **(10×3=30)**

a) हृदयावरण.
Pericardium.

b) अधिवृक्क ग्रंथी.
Supra-renal gland.

c) स्वरयंत्र.
Larynx.

d) पित्ताशय.
Gall bladder.

e) दृष्टी चेतनी.
Optic Nerve.

f) वृषण ग्रंथी.
Testis.

g) प्लिहेची बाह्य रचना.
प्लिहा की बाह्य रचना।
External features of spleen.

P.T.O.

34

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

h) मुदगरक.
Malleus.

i) हृदयाचे अंगरेखांकन लिहा.
हृदय का अंगरेखांकन लिखिए।
Write Surface Marking of Heart.

j) स्त्रीबीजवाहिनी.
Fallopian Tube.

k) मस्तिष्क सेतु.
Corpus Callosum.

l) उदराचे नऊ भाग लिहा.
उदर के नौ भाग लिखिए।
Write Nine Parts of Abdomen.

SECTION – C

3. LAQ :

Answer the following (**any three** out of four) (3×15=

a) आमाशयाचे सचित्र व व्यवहार शारीरसह सविस्तर वर्णन करा.
आमाशय का सचित्र एवं व्यवहार शारीर के साथ सविस्तर वर्णन लिखिए।
Describe stomach in detail with its Applied Anatomy and draw the Diagram.

b) मध्य कर्णाचे सविस्तर वर्णन करून, त्यांचे व्यवहार शारीर स्पष्ट करा.
मध्य कर्ण का वर्णन सविस्तर करे और व्यवहार शारीर वर्णन करिये।
Describe middle ear in detail with its clinical Anatomy.

c) सुषुम्ना काण्डाची रचना सचित्र सविस्तर वर्णन करा; व उपयोजित शारीर लिहा.
सुषुम्ना काण्ड की रचना सचित्र सविस्तर वर्णन कीजिए तथा उपयोजित शारीर लिखिए।
Describe spinal cord in detail with diagram and write its Applied Anatomy.

d) फुप्फुसाचे सचित्र सविस्तर वर्णन करा.
फुप्फुस का सचित्र सविस्तर वर्णन कीजिए।
Describe Lungs in detail with diagram.

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

86

03135 A

First B.A.M.S. 2012 (Ayurvedacharya) Examination, Winter 2013
KRIYA SHARIR – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours | Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: *1)* ***All*** *questions are* ***compulsory.***
2) The number to the ***right*** *indicates* ***full*** *marks.*
3) ***Draw*** *diagrams wherever* ***necessary.***
4) Do not write anything on the ***blank portion of the question paper****. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

2. Answer the following (**any ten** out of twelve) : **(10×3=30)**

a) डल्हणानुसार प्रकोप अवस्थेचे प्रकार वर्णन करा.
डल्हण के अनुसार प्रकोप अवस्था के प्रकारों का वर्णन करें ।
Describe types of prakopa avastha according to Dalhan.

b) मानस प्रकृती प्रकारांची फक्त नावे लिहा.
मानस प्रकृती प्रकारों के केवल नाम लिखे ।
Write names of Manas Prakruti.

c) लालास्त्रावची कर्मे लिहा.
लालास्त्राव के कर्म लिखे ।
Write functions of Saliva.

d) वाक् प्रवृत्ति (शब्द निर्मिती) प्रक्रिया लिहा.
वाक् प्रवृत्ति (शब्द निर्मिती) प्रक्रिया लिखे ।
Write vak pravritti (shabda Nirmiti) prakriya.

e) पित्त व अग्नि साम्य व भेद लिहा.
पित्त एवम् अग्नि साम्य एवम् भेद लिखे ।
Write samya and bhed between Pitta and Agni.

f) अष्टविध आहारविधि विशेषायतनांची नावे लिहा.
अष्टविध आहारविधि विशेषायतनों के नाम लिखे ।
Write names of Ashtavidha Ahar vidhi visheshayatan.

P.T.O.

36

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

g) लोक व पुरुषामध्ये किमान सहा घटकांचे साम्य लिहा.
लोक व पुरुष में न्युनतम छ घटकों का साम्य लिखिए ।
Write minimum six similarity between Lok and Purusha.

h) सेल मधील ॲक्टिव्ह ट्रान्सपोर्ट सिस्टीमचे संक्षिप्त वर्णन करा.
सेल में ॲक्टिव्ह ट्रान्सपोर्ट सिस्टीम का संक्षेप में वर्णन करें ।
Write in short Active Transport mechanism in cell.

i) न्युरॉन्स च्या रचनात्मक व क्रियात्मक प्रकारांची नावे लिहा.
न्युरॉन्स के रचनात्मक एवम् क्रियात्मक प्रकारों के नाम लिखे ।
Write names of structural and functional types of neurons.

j) यकृताचे कार्ये लिहा.
यकृत के कार्य लिखें ।
Write functions of Liver.

k) जीवन सत्व-अ उत्पत्ती घटक, दररोजची मात्रा व अभावाने होणाऱ्या व्याधीचे नाव लिहा.
जीवनसत्व-अ उत्पत्ती घटक, दैनंदिन मात्रा एवम् अभाव में होने वाले व्याधी का नाम लिखे ।
Write sources, daily requirement and deficiency disease of vitamin 'A'.

l) चरकोक्त स्त्रोतसांची नावे लिहुन प्राणवह स्त्रोतसांचे मुल स्थान लिहा.
चरकोक्त स्त्रोतस के प्रकारों के नाम लिखकर प्राणवह स्त्रोतस के मुल स्थान लिखे ।
Write names of strotas described by Charak. Write Mulasthana of Pranavana strotas.

SECTION – C

3. Answer **any three** out of four : **(15×3=45)**

a) पित्त दोष-निरुक्ति, उत्पत्ती, स्थान, गुण, कर्म, प्रकार, वृद्धी व क्षय सविस्तर वर्णन करा.
पित्त दोष-निरुक्ति, उत्पत्ती, स्थान, गुण, कर्म, प्रकार, वृद्धी व क्षय का विस्तार से वर्णन करें ।
Write in detail Nirukti, Utpatti, Sthan, Guna, Karma, Vriddhi and Kshay of Pitta dosha.

b) श्रवण ज्ञान प्रक्रियेचे आयुर्वेदिय व आधुनिक पद्धतीने सविस्तर वर्णन करा.
श्रवण ज्ञान प्रक्रिया का आयुर्वेद एवम आधुनिक शास्त्र के अनुसार विस्तार से वर्णन करें ।
Describe physiology of hearing according to Ayurveda and modern science.

c) अग्नि व्याख्या, कार्ये प्रकारांचे वर्णन करुन अग्नि परीक्षणाचे महत्व वर्णन करा.
अग्नि व्याख्या, कार्ये, प्रकार वर्णन करके अग्नि परीक्षण का महत्व वर्णन करें ।
Write in detail definition, functions, types of agni. Describe importance of agni parikshan.

d) श्वसन प्रक्रियेचे आयुर्वेदिय व आधुनिक पद्धतीने वर्णन करा.
श्वसन प्रक्रिया का आयुर्वेदिय व आधुनिक पद्धती को विस्तार से वर्णन करें ।
Describe in detail physiology of Respiration according to Ayurveda and Modern Science.

www.FirstRanker.com